PAPER - III

LECTURE No. - 33

FOREIGN POLICY OF GLADSTONE

BY

Dr. KOMAL (GUEST PROFESSOR, HISTORY
SNSRKS COLLEGE,
SAHARSA

Sunday 16

17 Monday 230-136 Week-34

Q:- ग्लैडस्टोन की विदेश नीति का वर्णन करें।

ANS:- ग्लैडस्टोन के द्वारा अपनी आंतरिक नीति के कारण जहाँ इसने सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक सुधार कर एक महत्वपूर्ण कार्य किया वहीं इसकी विदेश नीति पूर्णतया: विफल रही। एक शांतिवादी मंत्री के रूप में

18 Tuesday 231-135 Week-34

इसका नाम गौरव से लिया जाता है। ग्लैडस्टोन साम्राज्य वादी प्रकृति का नहीं था यही कारण है कि इसको लिटिल इंग्लैंडर के नाम से जाना जाता है। वह इस बात का पक्षधर था कि विदेश के साथ हर कीमत पर सहयोग रखा जाए। नए प्रदेशों को जीतने के

Scanned with CamScanner

बजाय वह यह चाहता था कि अपने शासित प्रदेशों को स्वशासन का अधिकार प्रदान किया जाए। इस विदेश नीति में वह "शानदार अलहदगी" (Splendid Isolation) के सिद्धांत को मान्यता प्रदान करता था। उसके इस दखल नहीं देने की नीति के कारण इंग्लैंड की यूरोपीय देशों में सम्मान और समृद्धि कुछ हद तक खो गई।

ग्लैडस्टोन की विदेश नीति के बारे में इतिहासकार मैरियट का यह कहना है कि ग्लैडस्टोन की विदेश नीति अत्यंत दुर्बल थी तथा उसका प्रबंध भी अत्यंत निराशाजनक था। निम्नलिखित उदाहरणों से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो जाता है कि उसकी विदेश नीति अत्यंत दुर्बल थी।

21 Friday 234-132 Week-34

(i) प्रशिया, इटली और ग्लैडस्टोन :-

ग्लैडस्टोन की शुरु से ही यह नीति रही कि इंग्लैंड को किसी युरोपीय युद्ध में शामिल नहीं होना चाहिए और वह किसी विदेशी मामले में दखल देने से बचता था जिसके फलस्वरूप इटली और प्रशिया में हुए समझौते के कारण वह वहाँ की राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होने से बचता रहा फलस्वरूप युरोप में जर्मनी एक महाशक्ति के रूप में उभर गया।

22 Saturday 235-131 Week-34

(ii) टर्की का प्रश्न, ग्लैडस्टोन और रूस :-

1870 ई० में फ्रांस और प्रशिया के युद्ध से लाभ उठा कर रूस ने पेरिस की संधि तोड़ कर अपने जहाजों को स्टेट्स ऑफ डार्डेनलस और बास्फोरस तक पहुँचा दिया फिर भी इंग्लैंड ने रूस के खिलाफ कोई कार्यवाही

23 Sunday

Scanned with CamScanner

उसने इंग्लैंड की जनता की सहानुभूति को खो दिया।

(iii) बल्गेरिया के कत्ल और ग्लैडस्टोन :-

ग्लैडस्टोन हमेशा ही विपत्ति में पड़े हुए राष्ट्रों की मदद करने को इच्छुक रहता था इसने इसने टर्की के अत्याचारों से त्रस्त बल्गेरिया की मदद की। 1878 ई० में होने वाले डिजराइली बर्लिन समझौते का इसने विरोध किया क्योंकि वह उसके सिद्धांतों के विरुद्ध था।

(iv) ग्लैडस्टोन और मिस्र :-

ग्लैडस्टोन को मिस्र के मामले में भी हस्तक्षेप करना पड़ा जब अरबी पाशा ने विद्रोह कर अनेक यूरोपीयन को मौत के घाट

Scanned with CamScanner

SHRIRAM Life Insurance
YOUR PARTNER FOR PROSPERITY

(5)

उतार दिया। इस समय मिस्र इंग्लैंड और फ्रांस दोनों के संयुक्त नियंत्रण में था। फ्रांस ने मिस्र के मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं किया फलस्वरूप ग्लैडस्टोन को न चाहते हुए भी मिस्र के विद्रोह को दबाना पड़ा।

निष्कर्ष :- उपर्युक्त उदाहरणों को देखते हुए कहा जा सकता है कि

ग्लैडस्टोन की विदेश नीति अत्यंत ही कुशल थी फलस्वरूप उसकी विदेश नीति को हर मोर्चे पर असफलता झेलनी पड़ी।

Scanned with CamScanner